दिशा फेयर ट्रेड प्रा.लि.

शिक्षा
सफलता
सुख
सम्पत्ति
समय
सुरक्षा
स्व विकास
समृद्धि
सहयोग
समाज
सुयश
शतायु
स्वास्थ्य
स्वदेश / विदेश भ्रमण
सम्मान

Right Direction

|| हमारा उद्देश्य

आर्गेनिक, आयुर्वेद, हर्बल ||

HEAD OFFICE - DISHA FAIR TRADE PVT. LTD.

50, Kundan nagar, Bagmugaliya, (Bhel Sangam Chouraha) Hoshangabad Road Bhopal m.p

Email: support@dfbusiness.net Web: www.dfbusiness.net

Phone No. 0755-4246437, 8871821390

ग्रीन अर्थ: जमीन को उपजाऊ बनाने की उपचार पद्धति

ग्रीन अर्थ इस्तेमाल से खेत जमीन पर होने वाले फायदे

- जमीन में रयासयनिक खाद के द्वारा सालों से जमा हुये ना घुलने वाले घटकों को घोल देता है।
- जमीन को भुरभुरी बनाता है।
- फसलों में सूक्ष्म जडो की वृद्धि करता है।
- जमीन में जीवाणु का विकास होकर जमीन की उपजन क्षमता को बढ़ता है ।
- जमीन में ऑरगेनिक कार्बन बढ़ता है ।
- फसलों को सूक्ष्म तत्व देने में मदद करता है ।
- जमीन में नाइट्रोजन को स्थिर करता है।
- जमीन में हवा पानी के लिए स्थान बनाता है।

ORGANIC PRODUCT

ग्रीन अर्थ की खासियत :-

- ग्रीन अर्थ प्राकृतिक यानी ऑरगेनिक उत्पाद है ।
- मानव, पशु, पक्षी, और पर्यावरण के लिए पूरी तरह सुरक्षित है।
- रयासनिक खादों में 25 से 30% की बचत होती है ।

ग्रीन अर्थ इस्तेमाल का तरीका :-

- किसी भी रयासनिक खाद के साथ मिलाकर दे सकते हैं।
- 30 से 40 किलो सूखी मिट्टी में मिलाकर खेत में छिटक सकते हैं।
- ड्रिप इरिगेशन के द्वारा दे सकते हैं।

सूचना: जमीन में ग्रीन अर्थ देने के बाद पानी देना अति आवश्यक है।

भूमि का प्रकार	मात्रा प्रति एकड	खुराक
सिंचित खेती	250 ग्राम	फसल लगाने के समय या 30 दिनों तक
असिंचित खेती	200 से 250 ग्राम	फसल लगाने के समय या 30 दिनों तक

GREEN EARTH

जमीन को उपजाऊ बनाने की उपचार पद्धति

उपलब्धता: 250 ग्राम

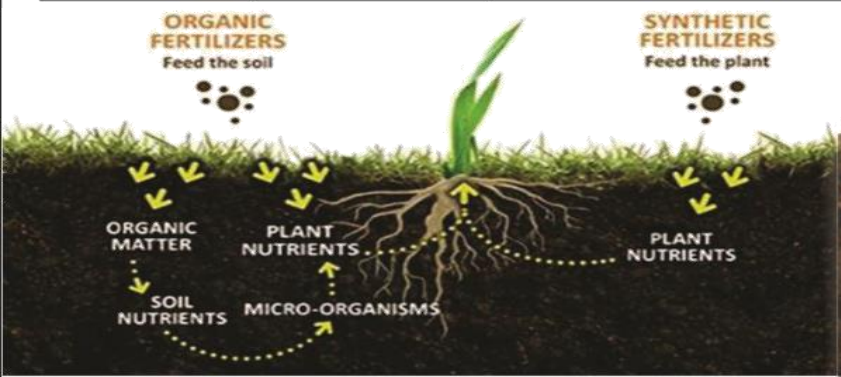

प्लांट पॉवर

प्लांट पॉवर : इस्तेमाल का लाभ :-

- फसलों की संतुलित वृद्धि होती है। फल जल्दी एंव प्राकृतिक रूप से पकते हैं।
- जड़ों को मजबूत वृद्धी करने में मद्द होती है। फसलो में प्रकाश शंश्लेषण की क्रिया तेज होने से अन्न निर्माण अधिक होता है।
- माद्दा फूलों की संख्या बढ़ाती है एवं फल और फूलों की गिरावट को कम करता है।
- फसल की प्रतिकूल परिस्थिति में फल और फूलों को थामने की क्षमता बढ़ाती है।
- हानिकाकर कीडों से होने वाली बीमारियों से बचाने के लिये फसलों को पूरी तरह के सशक्त बनाती है।

प्लांट पॉवर -विषशतायें:-

- प्लांट पॉवर प्राकृतिक यानी ऑरगॅनिक उत्पाद है।
- रायसनिक छिडकाव में 20 से 40% की बचत होती है।
- फसल के उत्पादन में 25 से 50% की वृद्धि होती है।
- मानव, पशु, पक्षी और पर्यावरण के लिये पुरी तरह से सुरक्षित है।

प्लांट पॉवर-इस्तेमाल कैसे करें :-

- 2 ग्राम प्लांट पॉवर 1 लीटर पानी के अनुपात में उपयोग करना चाहिये।
- किसी भी कीटनाशक, फकूंदीनाशक के साथ मिलाकर छिड़काव कर सकते है।
- बोड़ों मिश्रण, अल्कालाईन दवा के साथ मिलाकर छिड़काव नहीं कर सकते।

ORGANIC PRODUCT

निर्देश :-

प्लांट पॉवर छिड़काव के समय जमीन गीली हो या नहीं तो छिड़काव के बाद पानी देना जरूरी है। बेहतरीन नतीजे के लिए सुबह 11 बजे से पहले या शाम को 5 बजे के बाद छिड़काव करना चाहिए।

फसल का नाम	उपचार की सूचि
टमाटर, बैंगन, मिर्ची, शिमला, मिर्च, भिंडी, करेला, तवस, कद्दु, खीरा, परवल, तरबूज, खरबूजा, पत्ता गोभी, आलू, फुलगोभी, बिट, गिलकी, चुकंदर, प्याज और लहसुन	पहला छिड़काव पौधा लगाने के 25 से 30 दिन के बाद दूसरा छिड़काव पहले छिड़काव के 15 दिन के बाद तीसरा छिड़काव दूसरे छिड़काव के 15 दिन के बाद
गेहूँ, धान, कपास, अद्रक, हल्दी, सोयाबीन, मूँगफल्ली, सरसों, जौ, अरंडी, तुअर, मुंग, उडद, चना, मटर, ज्वार, बाजरा, मक्का, राजमा, मोट, बीन्स वॉल, चवली और घेवडा	पहला छिड़काव पौधा लगाने के 40 से 45 दिन के बाद दूसरा छिड़काव पहले छिड़काव के 15 दिन के बाद तीसरा छिड़काव दूसरे छिड़काव के 15 दिन के बाद
गाजर, मूली, मैथी, पालक, धनियाँ, पत्ती, शेपू, तथा सभी प्रकार की पत्तेदार सब्जियाँ आदि	पहला छिड़काव पौधा लगाने के 15 दिन के बाद दूसरा छिड़काव पहले छिड़काव के 7 दिन के बाद तीसरा छिड़काव दूसरे छिड़काव के 7 दिन के बाद
आम, चीकू, इमली, सरसफल, सीताफल, नारियल, आवला, अंजीर काजू, मोसंबी, संतरा, निंबु, सेप	पहला छिड़काव फुलों की बहार के वक्त दूसरा छिड़काव पहले छिड़काव के 20 दिन के बाद तीसरा छिड़काव दूसरे छिड़काव के 20 दिन के बाद
केला, पपीता, अनासास	पहला छिड़काव पौधा लगाने के 40 दिन के बाद दूसरा छिड़काव पहले छिड़काव के 30 दिन के बाद तीसरा छिड़काव दूसरे छिड़काव के 30 दिन के बाद
चाय, कॉफी, तंबाकु, पान, तथा सभी प्रकार के फूल	पहला छिड़काव 4 से 6 पत्तों के बाद दूसरा छिड़काव पहले छिड़काव के 15 दिन के बाद तीसरा छिड़काव दूसरे छिड़काव के 15 दिन के बाद
अंगूर 1 अप्रैल छटाणी	पहला छिड़काव पत्ते छाटने के 40 दिन के बाद दूसरा छिड़काव जब-जब पत्ते या फूल निकाले जायेंगे। उस समय छिड़काव करना है।
अंगूर 1 अक्टूबर छटणी	पहला छिड़काव 4 से 6 पत्तो के बाद दूसरा छिड़काव अंगुर 4 से 6 मि.मि. आकार होने के बाद तीसरा छिड़काव अंगुर 10 से 12 मि.मि. आकार होने के बाद

प्लांट पॉवर

पत्ते, फूल, फली की उपचार प्रक्रिया

उपलब्धता: 250 ग्राम

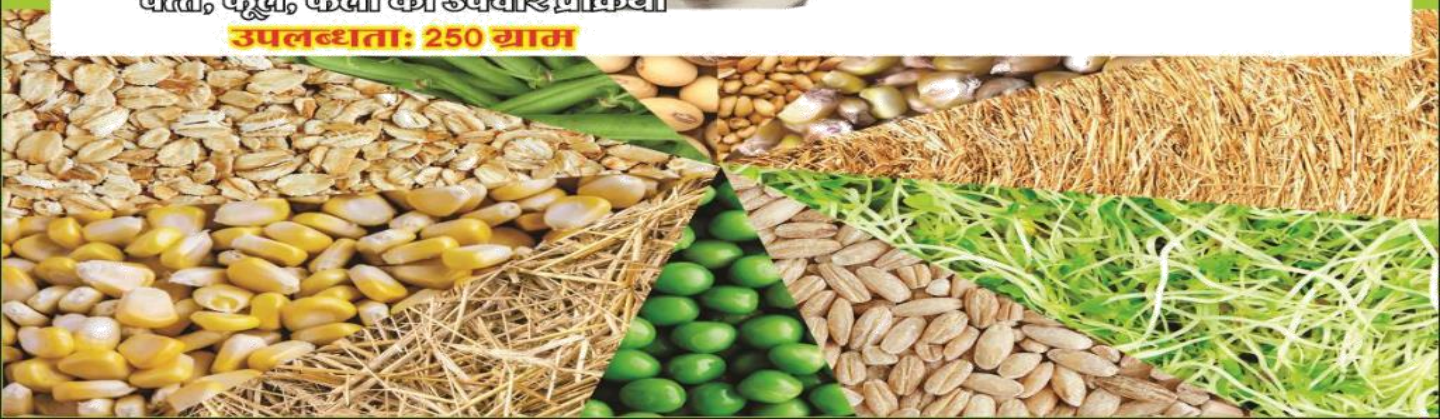

Magic -85

किसान फसलों पर आने वाले कीटकों को रोकने के लिये महंगे कीटनाशको का इस्तेमाल करते हैं। उत्पादन बढ़ाने के लिए मुख्य एवं सूक्ष्म खाद और उत्पादन बढ़ाने वाली ट्रीटमेंट का उपयोग करते है। ज्यादातर ऐसा होता है कि इतना महंगा छिड़काव करने के बाद फसल पर उसकी बूँदे ठीक तरह से नही फैलती इस कारण फसल का ज्यादातर हिस्सा बिना छिड़काव के रह जाता है। इस कारण हमें पर्याप्त मात्रा में परिणाम नहीं मिलता।

उपलब्धता: 250/ 500 ml

Magic -85 की विशेषतायें -

स्प्रेडर - पानी की बूँदो का तनाव कम होने के कारण बूँद पत्ते की सतह पर अच्छी तरह से फैलती हैं इस कारण छिड़काव किया गया रासायनिक द्रव्य पत्तों पर अधिक सतह क्षेत्र में फैलता है।

स्टिकर :- पानी की बूँदे पत्तों के सतह पर अच्छी तरह से फैलने के बाद चिपक जाते है। बरसात के पानी में धुलते नहीं है।

पेनिट्रेन्ट -

पत्तों पर छिड़काव किये गये स्प्रे सोल्यूसन की बूँदे आसानी से पत्तों के रोम छिद्रो के अंदर नहीं जा पाती क्योंकि ज्यादातर पत्ते किचने होने के कारण दवा बह जाता है परन्तु दिशा स्प्रे सोल्यूसन के उपयोग से छिड़काव करने से दवा पत्तों के अंदर तक जाकर उत्तम रिजल्ट देती है।

ड्रिफ्ट कन्ट्रोल ऐजेन्ट :- स्प्रे की बूंदो के आकार को बढ़ा देता है, जिससे धुंआ कम बनता है। और छिड़काव करने से सोल्यूसन की बचत होती है एवं ज्यादा जगह में छिड़काव होता है।

संगतता एजेन्ट :-

कीटनाशक, फफूंदनाशक, खरपतवार नाशक, पानी में धुलनशील मुख्य व सुक्ष्म-खाद या उत्पादन बढ़ाने वाली ट्रीटमेंट इसमें से किसी के साथ भी मिलाकर छिड़काव कर सकते है।

इस्तेमाल का तरीका:-

कीटनाशक, फफूंदनाशक के लिये 50 मिली 100 लीटर पानी में मिलायें।
खरपतवार नाशक के लिए 100 मिली 100 लीटर पानी में मिलायें।
जमीन में जहाँ पर पानी का भराव रहने के कारण उस जगह को बिना बोये छोड़ना पड़ता है परन्तु दिशा स्प्रे सोल्यूसन को 250 मिली 1 एकड़ के लिये उपयोग करने से वह जगह भी खेती लायक बन जाती है।

क्रॉप ग्रो

क्रॉप ग्रो: पौध वर्धक

फसल के वृद्धि में ॲमिनी एसिड की महत्वपूर्ण आवश्यकता होती है। फसल के वृद्धि में 23 प्रकार के ॲमिनो एसिडों की मात्रा उचित प्रमाण में न मिलने के कारण फसल की वृद्धि और उत्पादन क्षमता में कमी आती है। क्रॉप ग्रो ये एक ऐसा उत्पाद है जिसमें 23 प्रकार के ॲमिनो एसिड स्वतंत्र रूप में उपलब्ध है। जो फसल को जरूरत के अनुसार प्राप्त होते है, इस कारण फसल के उत्पादन और गुणवत्ता में आश्चर्यजनक वृद्धि होती है।

ॲलानिन, टायरोसिन, फेनिल, अलेनाइट, टिप्टोफॅन, व्हॅलीन:-

यह ऍरोमेटिक ॲमिनो एसिड होने के कारण फसलों में ज्यादा संख्या में फूल लगने में मदद करती है।

आरजिनीन:- ॲमिनो एसिड में फसलों में जैविक वृद्धि करने की क्षमता होती है इस कारण ज्यादा से ज्यादा फूल फल बनते है।

ऍस्पार्टिक एसिड, ग्लुटामिक एसिड:- यह फसलों में नायट्रोजन बढ़ाने में मदद करती है।

सिस्टीन, मेथिओनिन और लायसिन:- यह गंधक युक्त ॲमिनो एसिड होने के कारण फसलों में सशक्त वृद्धि करती है।

ग्लायसिन:- यह फसलों में हरित द्रव्य के वृद्धि में मदद करते हैं।

प्रोलिन:- फसलों में पानी का नियंत्रण करता है पेशीय भित्तीका में मजबूती आती है इस कारण फसलों को असमतल वातावरण में फसल की सशक्तता बढाती है।

हिस्ट्रीडीन:- फसलों में फलों को जल्दी तैयार करने में मदद करता है।

क्रॉप ग्रो का उपयोग कैसे करें:-

ORGANIC PRODUCT

- 1 लीटर पानी में 2 मिली क्रॉप ग्रो मिलाए।
- किसी भी कीटनाशक, फंफूदीनाशक के साथ मिलाकर छिड़काव कर सकते है।
- बोर्डो मिश्रण, अल्कालाईन दवा के साथ मिलाकर छिड़काव नहीं करना है।
- बेहतरीन नतीजे के लिए सुबह 11 बजे से पहले या शाम को 5 बजे के बाद करना चाहिये।
- फसल लगाने के 30 से 40 दिनों में क्रॉप ग्रो का छिड़काव 15 दिनों के अंतर में

क्रॉप ग्रो का छिड़काव कब करें।

- पहला छिड़काव: फसल वृद्धि की अवस्था में।
- दूसरा छिड़काव: फूल लगने की अवस्था में।
- तीसरा छिड़काव: फल लगने की अवस्था में।
- क्रॉप ग्रो ड्रिपद्वारा जमीन में प्रति एकड़ 1 लीटर इस अनुपात में देना है।

निर्देश:

- बेहतरीन नतीजे के लिए सुबह 11 बजे से पहले या शाम को 5 बजे के बाद छिड़काव करना चाहिये।
- क्रॉप ग्रो का छिड़काव करते समय जमीन गीली होनी आवश्यक है या छिड़काव के बाद जमीन को पानी दें।

CROP-GROW
क्रॉप ग्रो
पौध वर्धक

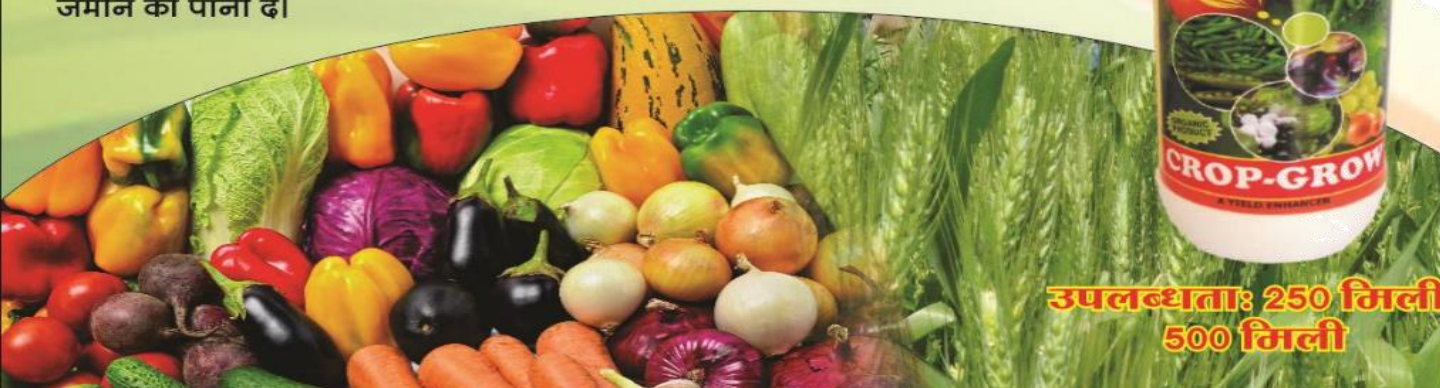

उपलब्धता: 250 मिली
500 मिली

धरती माँ को बचाना है किसानों को समृद्ध बनाना है
इसलिये दिशा के जैविक/हर्बल उत्पादों को अपनाना है।

गन्नावर्धक

दिशा गन्नावर्धक की खासियत

- ज्यादा से जयादा अंकुरों की पैदावार होती है
- अंकुरों की वृद्धि मज़बूत और तेजी से होती है
- पत्ते हरे भरे व उनका आकार बढ़ा हो जाता है
- जोड़ो के आकार के साथ-साथ गन्ने की लंबाई बढ़ती है
- जोड़ों की संख्या बढ़ने से वजन एवं शुगर की मात्रा बढ़ती है
- दिशा गन्नावर्धक मानव पशु व पर्यावरण के लिये पूरी तरह सुरक्षित है

ORGANIC PRODUCT

इस्तेमाल करने का तरीका

- 500 ग्राम गन्नावर्धक का 1 एकड़ में छिड़काव (स्प्रे) करना है
- 2 ग्राम गन्नावर्धक प्रति लीटर पानी के अनुपात में मिलाकर छिड़काव (स्प्रे) करें, या ड्रिप द्वारा गन्नावर्धक 500 ग्राम 1 एकड में उपयोग करें
- पहला छिड़काव (स्प्रे) गन्ना लगाने के 40 से 45 दिनों तक
- दूसरा छिड़काव (स्प्रे) गन्ना लगाने के 60 से 65 दिनों तक
- तीसरा छिड़काव (स्प्रे) गन्ना लगाने के 80 से 90 दिनों तक

ORGANIC PRODUCT

- ग्रीन अर्थ का इस्तेमाल दो बार अवश्य करें।
- पहला 30 दिन के अंदर दूसरा 120 दिन की फसल पर
- 10 ml प्रति पम्प मैजिक-85 जरूर मिलायें।